ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मैं भरपूर आत्मा हूँ
सुख, शांति,
पवित्रता से भरपूर हूँ

"राजयोग मेडिटेशन के लिये सर्वोत्तम समय और कुछ टिप्स"

☒ प्रातः सुबह 4am to 5am
☒ शाम को 6.30pm to 7.30pm
☒ प्रातः वातावरण में विचारों का traffic बहुत कम होता है क्योंकि maximum लोग तब सो रहे होते हैं। इसलिए वातावरण शांत और शुद्ध होता है।
☒ शाम का समय काफी हल्का और आनन्दमय होता है।
☒ इन दोनों समय मेडिटेशन करने से परमात्मा से जुड़ना आसान हो जाता है।
☒ कोशिश करें कि जल्दी सोएं और जल्दी उठें।
☒ खाना सात्विक हो।
रात का खाना 8 बजे से पहले लें और हल्का लें।
☒ अनावश्यक, नकारात्मक और व्यर्थ बातें न बोलें, न सुनें, न देखें और न ही सोचें।

समस्याएं और कुछ नहीं कमजोर मन की रचना है।

facebook.com/AvyaktMurliEssence

Vyarth Sankalpon Ka Paper

साइन्स के साधनों की रफ्तार फिर भी साइन्स, साइन्स द्वारा रफ्तार को कट भी कर सकती, पकड़ सकती है लेकिन आत्मा की गति को कोई अभी तक न पकड़ सका है, न पकड़ सकता है। इसमें ही साइन्स अपने को फेल समझती है। और जहाँ साइन्स फेल है वहाँ साइलेन्स की शक्ति से जो चाहो वो कर सकते हो। तो आत्म शक्ति की उड़ान की तीव्र गति की आदि करो। चाहे स्व परिवर्तन में, चाहे किसी की भी वृत्ति परिवर्तन में, चाहे वायुमण्डल परिवर्तन में, चाहे सम्बन्ध-सम्पर्क के परिवर्तन में अभी तीव्र गति लाओ। तीव्रता की निशानी है सोचा और हुआ। ऐसे नहीं, सोचा तो है.. हो जायेगा..। नहीं, सोचा और हुआ, संकल्प, बोल और कर्म तीनों श्रेष्ठ साथ-साथ हों। व्यर्थ को वा उल्टे संकल्प को चेक करो तो उसकी गति बहुत फास्ट होती है। अभी-अभी संकल्प आया, अभी-अभी बोल लिया, अभी-अभी कर भी लिया। संकल्प, बोल, कर्म इकठ्ठा-इकठ्ठा बहुत फास्ट होता है। उसकी गति का जोश इतना तीव्र होता है जो श्रेष्ठ संकल्प, कर्म, मर्यादा, ब्राह्मण जीवन की महानता का होश समाप्त हो जाता है। व्यर्थ का जोश-सत्यता का होश, यथार्थता का होश समाप्त कर देता है और कुछ समय के बाद जब होश आता तब सोचते हैं करना नहीं चाहिये था, यथार्थ नहीं है लेकिन उस समय जब जोश होता है तो यथार्थ की पहचान बदल कर अयथार्थ को यथार्थ अनुभव करते हैं। तो व्यर्थ का जोश, होश को Æखत्म कर देता है। तो इस वर्ष सभी बच्चे विशेष व्यर्थ से इनोसेन्ट बनो। जैसे जब आप आत्मायें अपने सतयुगी राज्य में थीं तो व्यर्थ वा माया से इनोसेन्ट थीं इसलिये देवताओं को महान आत्मायें, सेन्ट कहते हैं, ऐसे अपने वो संस्कार इमर्ज करो, व्यर्थ की अविद्या स्वरूप बनो। समय, श्वास, बोल, कर्म, सर्व में व्यर्थ की अविद्या अर्थात् इनोसेन्ट। जब व्यर्थ की अविद्या हो गई तो दिव्यता स्वत: ही सहज ही अनुभव होगी और अनुभव करायेगी। अभी तक यह नहीं सोचो कि पुरूषार्थ तो कर ही रहे हैं...। पुरूष इस रथ पर कर रहा है तो पुरूष बन रथ द्वारा वराना-इसको कहा जाता है पुरूषार्थ। पुरूषार्थ चल रहा है, नहीं, लेकिन पुरुषार्थी सदा उड़ रहा है। यथार्थ पुरुषार्थी इसको कहा जाता है। --14-04-1994

Achanak Aur Eveready

अव्यक्त शिक्षाएँ

सदा अपने को संगमयुगी श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्मायें हैं, ऐसे समझते हो! ब्राह्मणों को सदा ऊँची चोटी की निशानी दिखाते हैं। ऊँचे ते ऊँचा बाप और ऊँचे ते ऊँचा समय तो स्वयं भी ऊँचे हुए। जो सदा ऊँची स्थिति पर स्थित रहते हैं वह सदा ही डबल लाइट स्वयं को अनुभव करते हैं। किसी भी प्रकार का बोझ नहीं। न सम्बन्ध का, न अपने कोई पुराने स्वभाव संस्कार का। इसको कहते हैं सर्व बन्धनों से मुक्त। ऐसे फ्री हो?

अ.बापदादा-20.02.84

ॐ शान्ति

जीवन में कभी भी कठिन हालातों में अपनी आस्था को कम ना होने देना क्योंकि भगवान जिसे सच्चे दिल से अपनाते है, उनकी ही अग्नि परीक्षा लेते है..

"Respect me. Understand me"
Relationship is not about Wanting.
Relationship is about Giving.

"I Respect you. I Understand you."
Shift from Seeking to Giving.
When Giving, You are the first to Get.

Seeking creates Vacuum.
Giving creates Fulfilment.
देने में लेना समाया हुआ है

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org